J. S. M. College, Alibag-Raigad Dept. of Marathi - AQAR - 2021-22

1.3.1 - Institution integrates crosscutting issues relevant to Professional Ethics, Gender, Human Values, Environment and Sustainability into the Curriculum.

M.A. II - 12.2 - Study of Specific Period - SHIVKAL - शिवकाल

TYBA - PAPER - IV - SEM V- UAMAR - 501/SEM VI- UAMAR - 601 -History of Medieval Marathi Literature(मध्ययुगीन महाठी साहित्य)

In these papers of M.A. and T.Y.B.A. Marathi subject, Saint literature in ancient Marathi literature is taught. Human values such as equality, brotherhood, Tolerance, humility, non-violence, truthfulness, not to steal, morality revealed through the writings of Marathi saint poets such asSant Chakradhar, Sant Dnyaneshwar, Sant Muktabai, Sant Namdev, Sant Sawtamali, Sant Chokhamela, Sant Janabai, Sant Eknath, Sant Tukaram, Sant Ramdas etc. are conveyed to the students and the students are encouraged to cultivate these values.

M.A. II -14.2-Feminist Movement and Theorization(स्तीवाद चळवळ आणि सिद्धांतन)

TYBA - PAPER - VI - SEM VI- UAMAR -603 -Literature and Society -(साहित्यआणि समाज)

In these papers of M.A. and T.Y.B.A. Marathi subject, through various literary works, women-consciousness, women's rights, women's freedom, gender equality etc. Values are inculcated in students.

The values of gender equality are inculcated in the students with the motto of Awareness of Women's Rights, Awareness of Women's Identity, Thought of Ending Feminist Exploitation, Opposing Injustice-Oppression, Supporting Women's Freedom of Decision.

M.A. II -9.5-Dalit Sahitya(दलित साहित्य)

TYBA - PAPER - VI - SEM V- UAMAR - 503 -Literature and Society(साहित्यआणि समाज)

In these papers of M.A. and T.Y.B.A. Marathi subject, the values of a society free from caste discrimination and exploitation are inculcated in the students through various literary works. Human values are inculcated in the students with the motto of ending exploitative system of caste, class, caste, creation of scientific and secular egalitarian society, creation of modern India.

S.M.

Dr.Neelkanth Shere

Head, Marathi Department

J. S. M. COLLEGE, ALIBAG – RAIGAD DEPARTMENT OF ENGLISH

Inculcation of Values and Ethics through Syllabi

Introduction:

The Department of English has been offering 6 units Degree course in English since 1961 and trying to inculcate the various values and ethics through syllabi for the betterment of students designed by the University. The ethics and values such as professional ethics, gender equality, human values, environment and sustainability are addressed at various levels through the syllabi of different courses (papers) prescribed for the different undergraduate classes. These can be summarised as follows:

* F.Y.B.A. Introduction to Literature (Optional English Paper I)

The syllabus aims at inculcating the human values like love, truth, honesty, and protection of environment, mutual understanding and the importance of Nature etc.

F.Y.B. Com. (Business Communication)

The imparting of business ethics such as integrity at workplace, co-operation, adaptability and commitment, corporate social responsibility, maintenance of public relations is done through the syllabus of this course.

* S.Y.B.A. Indian Literature in English (Optional English Paper II)

The human values and ethics such as Gender equality, religious tolerance, egalitarianism, unity in diversity, and respect to the elders are inculcated through the syllabus of this paper.

S.Y.B.A. American Literature (Optional English Paper III)

The human ethics and values such as environment concerns, cross-cultural values, religious ethics, socio-economic and cultural ethics, gender equality and feminine sensibility are imparted through the syllabus of this paper.

* T.Y.B.A. English: 16th to 18th Century English Literature (Paper IV)

The syllabus of this paper incorporates the human values like truth, religious tolerance, human integrity, equality, gender sensitization, pursuit of knowledge, and righteousness etc.

* T.Y.B.A. English: Literary Criticism (Paper V)

Conservation of the environment, Gender equality, liberty, equality and fraternity, love and respect for nature are the ethics to be imparted through the prescribed syllabus of this paper.

* T.Y.B.A. English; 19th Century English Literature (Paper VII)

The ethics to inculcate through the syllabus of this paper are protection of the environment, Gender equality, liberty, equality and fraternity, concern for nature.

* T.Y.B.A. English: 20th Century British Literature (Paper VIII)

The ethics reflected in this syllabus are peace and harmony, universal brotherhood, religious faith, righteousness, scientific attitude etc.

* T.Y.B.A. English: Drama and Theatre (Paper IX)

Eamily integrity, Gender equality, environmental awareness, honesty, liberty, equality and fraternity are the ethics to be imparted through the prescribed syllabus of this paper.

Head Department of English SEMESTER – I

NAME OF PROGRAM : B.A.

NAME OF THE COURSE : F.Y.B.A. Ancillary ऐच्छिक हिन्दी

COURSECODE : UAHIN 101

TOTAL LECTURES : 60 CREDITS : 3

अभिप्राय एवं उद्देश्य -Aims and Objectives:

1. विद्यार्थियों को गद्य विधाओं की प्रचलित रचना कहानी, निबंध आदि के अतिरिक्त आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, यात्रा वृतांत और रेखाचित्र आदि नवीनतम विधाओं से परिचित कराना।

2. हिंदी कहानी के आरंभ से लेकर अद्यतन कहानी की प्रवृत्तियों एवं कहानी के विकास से अवगत कराना। विद्यार्थियों का नवीन गद्य विधाओं के स्वरूप-विवेचन तथा विशेषताओं से परिचय कराना।

SEMESTER – II

NAME OF PROGRAM : B.A.

NAME OF THE COURSE : F.Y.B.A. Ancillary ऐच्छिक हिन्दी

COURSECODE : UAHIN 201

TOTAL LECTURES : 60 CREDITS : 3

अभिप्राय एवं उद्देश्य -Aims and Objectives:

1. विद्यार्थियों को गद्य विधाओं कीप्रचलित रचना कहानी, निबंध आदि के अतिरिक्त आत्मकथा, जीवनी,संस्मरण, यात्रा वृतांत और रेखाचित्र आदि नवीनतम विधाओं से परिचित कराना।

2. हिंदी कहानी के आरंभ से लेकर अद्यतन कहानी की प्रवृत्तियों एवं कहानी के विकास से अवगत कराना। विद्यार्थियों का उपन्यास के स्वरूप-विवेचन तथा विशेषताओं से परिचय कराना।

-----X------X

PAPER II, SEMESTER – III

NAME OF PROGRAM : B. A. (C.B.C.S)

NAME OF THE COURSE : S. Y. B. A. COURSECODE : UAHIN301

TOTAL LECTURES : 45 CREDITS : 03

अभिप्राय एवं उद्देश्य -Aims and Objectives:

- 1. विद्यार्थियों को हिन्दी की मध्यकालीन और आधुनिककालीन पद्य विधाओं की प्रसिद्ध, प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवन-शैली संबंधी मृल्यों का परिचय कराना।
- 2. हिंदी काव्य के मध्यकाल से लेकर अद्यतन काव्य की प्रवृत्तियों एवं कविता के विकास से अवगत कराते हुए काव्य के सामाजिक, मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण-चेतना को समृद्ध करना।
- 3. काव्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न शैलियों का परिचय कराते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ जीवन के क्षेत्र में काव्य की उपादेयता को दर्शाना।

PAPER II, SEMESTER –IV

NAME OF PROGRAM : B. A. (C.B.C.S)

NAME OF THE COURSE : S. Y. B. A. COURSECODE : UAHIN401

TOTAL LECTURES : 45 CREDITS : 03

अभिप्राय एवं उद्देश्य -Aims and Objectives:

- 1. विद्यार्थियों को गद्य की व्यंग्य विधा की प्रसिद्ध,प्रचलित व्यंग्यात्मक रचनाओं एवं समकालीन परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए सामाजिक, मानवीय,संस्कृतिक और नवीनतम आधुनिक जीवन शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना।
- 2. हिंदी गद्य के प्रारम्भिक काल में प्रस्फुटित व्यंग्य रचनाओं से लेकर अद्यतन व्यंग्यात्मक रचनाओं, प्रवृत्तियों एवं व्यंग्य के विकास से अवगत कराते हुए काव्य के सामाजिक, मानवीय संतुलन-असंतुलन को दर्शाते हुए सकारात्मक पक्षों को बल देना एवं समूहिक नैतिकता को समृद्ध करना।
- 3. व्यंग्य के अंतर्गत प्रयुक्त विभिन्न व्यंग्य दृष्टियों कोउजागर कराते हुए उसकी शिल्पगत बनावट के साथ आमजीवन के क्षेत्र में व्यंग्य की उपादेयता को दर्शाते हुए उसके विभिन्न सरोकारों से अवगत कराना।

-----X-----X

PAPER III, SEMESTER – III

NAME OF PROGRAM : B. A. (C.B.C.S)

NAME OF THE COURSE : S. Y. B. A. COURSECODE : UAHIN302

TOTAL LECTURES : 45 CREDITS : 03

अभिप्राय एवं उद्देश्य -Aims and Objectives:

- 1. विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक भाषा की जानकारी देते हुए कार्यालयीन तथा अन्य व्यवहार क्षेत्रों में हिंदी भाषा के व्यवहार एवं प्रयोग के लिए प्रशिक्षित करते हुए लेखन कौशल का विकास करना।
- 2. विद्यार्थियोंको प्रयोजनमूलक हिंदी तथा अंग्रेजी की पारिभाषिक शब्दावली से परिचिय करवाना।
- 3. विद्यार्थियोंको व्यावसायिक/कार्यालयीन पत्राचार से अवगत करवाना।
- 4. विद्यार्थियोंको अंग्रेजी/मराठी भाषा से हिंदी भाषा में अनुवाद कौशल का विकास करना।
- 5. विद्यार्थियोंको जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी भाषा की जानकारी से अवगत कराना।
- 6. विद्यार्थियोंको जनसंचार माध्यमों के विकास से परिचिय करवाना।

PAPER III, SEMESTER – IV

NAME OF PROGRAM : B. A. (C.B.C.S)

NAME OF THE COURSE : S. Y. B. A. COURSECODE : UAHIN402

TOTAL LECTURES : 45 CREDITS : 03

अभिप्राय एवं उद्देश्य -Aims and Objectives:

- 1. विद्यार्थियोंको जनसंचार-भाषा की जानकारी देते हुए व्यवहार क्षेत्रों मेंहिंदी भाषा के व्यवहार एवं प्रयोग के लिए प्रशिक्षित करना।
- 2. विद्यार्थियोंको परंपरागत जनसंचार माध्यमों से परिचियकराते हुए नव्य-संचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीक के आंतरिक और बाह्य पक्षों का सामाजिक सरोकारों को दर्शना।
- 3. विद्यार्थियोंको समाचार लेखन, संपादकीय लेखन, साक्षात्कार, फ़ीचर लेखन लेखन से अवगत करवाना।
- 4. विद्यार्थियोंको सोशल मीडिया, कंप्यूटर, टेलीविज़न इत्यादि के भाषाई प्रयोगों का परिचय देना।

-----X------X

SEMESTER - V & VI

NAME OF PROGRAM : B.A.
NAME OF THE COURSE : T.Y.B.A

COURSECODE : UAHIN- 501, 502, 503, 504, 505, 506

UAHIN-601, 602, 603, 604, 605, 606

TYBA HINDI पाठ्यक्रम का अभिप्राय, उद्देश्य

अभिप्राय एवं उद्देश्य -AIMS AND OBJECTIVES:

- 1) विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास, भाषा, विषय–ज्ञान से अवगत कराते हुए भाषा, काव्यशास्त्र एवं व्याकरण के अध्ययन के लिए प्रेरित करना।
- 2) विद्यार्थियों को भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन के महत्व से अवगत कराते हुए भाषा विज्ञान की उपयोगिता तथा भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों का व्यावहारिक परिचय कराना।
- 3) विद्यार्थियों को हिन्दी की आधुनिककालीन गद्य—पद्य विधाओं की प्रसिद्ध, प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवन शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना।
- 4) हिंदी की अद्यतन गद्य—पद्य की विधाओं, प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराते हुए साहित्य के सामाजिक, मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण—चेतना को समृद्ध करना।
- 5) जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में हिन्दी के प्रयोग, प्रसार से अवगत कराते हुए हिन्दी के माध्यम से रोज़गार की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष लाना।
- 6) सामाजिक परिवर्तन हेतु वैचारिक प्रसार को अवगत कराते हुए विविध सामाजिक वैचारिक आंदोलनों की पृष्ठभूमि को दर्शना तथा साहित्य पर प्रभावों को अवगत कराना।

-----X-----X

SEMESTER – I & II

NAME OF PROGRAM : M.A.
NAME OF THE COURSE : M.A.- I

COURSECODE : PAHIN- 101, 103, 105, 107

PAHIN-102, 104, 106, 108

SEMESTER - III & IV

NAME OF PROGRAM: M.A.
NAME OF THE COURSE: M.A.- II

COURSECODE : PAHIN- 109, 110, 111, 112.3, 113.3

PAHIN-114.2, 115.6, 116

M.A. I & II HINDI पाठ्यक्रम का अभिप्राय, उद्देश्य

अभिप्राय एवं उद्देश्य -AIMS AND OBJECTIVES:

- 1) विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास, भाषा, अनुवाद विषय-ज्ञान से अवगत कराते हुए भाषा, काव्यशास्त्र एवं व्याकरण के अध्ययन के लिए प्रेरित करना।
- 2) विद्यार्थियों को भाषा, अनुवाद के वैज्ञानिक अध्ययन के महत्व से अवगत कराते हुए भाषा विज्ञान की उपयोगिता तथा भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों का व्यावहारिक परिचय कराना।
- 3) विद्यार्थियों को हिन्दी की आधुनिककालीन गद्—पद्य विधाओं की प्रसिद्ध-, प्रचलित रचनाओं एवं परिवेश की जानकारी प्रदान करते हुए दार्शनिक, सामाजिक, राष्ट्रीय, मानवीय और नवीनतम आधुनिक जीवन शैली संबंधी मूल्यों का परिचय कराना।
- 4) विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति सजगता प्रदान करते हुए पर्यावरण के मूल्य समझाना और उन मूल्यों के प्रति उत्तरदायी बनाना।
- 5) थर्ड जेंडर विमर्श के द्वारा विद्यार्थियों में जेंडर की समानता भाव को दर्शाते हुए थर्ड जेंडर के प्रति संवेदना, सरोकार और सामाजिक समानता को बढ़ावा देना।
- 6) स्त्री विमर्श, दिलत विमर्श और आदिवासी विमर्श के माध्यम से विद्यार्थियों को सामाजिक यथार्थ अवगत कराना तथा सामाजिक समानता के भाव और मूल्यों के प्रति
- 7) हिंदी की अद्यतन गद्य—पद्य की विधाओं प्रवृत्तियों के विकास से अवगत कराते हुए साहित्य के सामाजिक, मानवीय सरोकारों के साथ पर्यावरण —चेतना को समृद्ध करना।
- 8) जनसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी, सोशल मीडिया के अधुनातन माध्यमों में हिन्दी के प्रयोग, प्रसार से अवगत कराते हुए हिन्दी के माध्यम से रोज़गार की संभावनाओं को विद्यार्थियों के समक्ष लाना।
- 9) सामाजिक परिवर्तन हेतु वैचारिक प्रसार को अवगत कराते हुए विविध सामाजिक वैचारिक आंदोलनों की पृष्ठभूमि को दर्शना तथा साहित्य पर प्रभावों को अवगत कराना।

SEMESTER – I

NAME OF PROGRAM : B.A.

NAME OF THE COURSE : F.Y.B.A. Ancillary

COURSECODE : UAHIN 101

TOTAL LECTURES : 60 CREDITS : 3

Aims and Objectives:

1. To familiarize the students with the latest genres like autobiography, biography, memoirs, travelogues and sketches, in addition to the popular composition of prose genres, story, essay etc.

2. Aware of the trends and development of the story from the beginning of the Hindi story to the updated story to do to introduce the students to the nature and characteristics of new prose genres.

SEMESTER - II

NAME OF PROGRAM : B.A.

NAME OF THE COURSE : F.Y.B.A. Ancillary ऐच्छिक हिन्दी

COURSECODE : UAHIN 201

TOTAL LECTURES : 60 CREDITS : 3

Aims and Objectives:

1. To familiarize the students with the latest genres like autobiography, biography, memoir, travelogue and sketch etc., in addition to the popular composition of prose genres, story, essay etc.

2. Aware of the trends and development of the story from the beginning of the Hindi story to the updated story to do to introduce the students to the nature, interpretation and features of the novel.

-----X------X

PAPER II, SEMESTER - III

NAME OF PROGRAM : B. A. (C.B.C.S)

NAME OF THE COURSE : S. Y. B. A. COURSECODE : UAHIN301

TOTAL LECTURES : 45 CREDITS : 03

Aims and Objectives:

- 1. To provide students with the famous, popular compositions of medieval and modern poetry genres of Hindi.
- 2. Philosophical, social, national, human and latest modern life providing information about the environment-Introducing stylistic values.
- 3. Poetry informing about the trends of poetry and the development of poetry from the medieval period of Hindi poetry Enriching eco-consciousness with social, humanitarian concerns of Introducing the different styles used under poetry, in the field of life with its crafty texture to show the usefulness of poetry.

PAPER II, SEMESTER –IV

NAME OF PROGRAM : B. A. (C.B.C.S)

NAME OF THE COURSE : S. Y. B. A. COURSECODE : UAHIN401

TOTAL LECTURES : 45 CREDITS : 03

Aims and Objectives:

- 1. To make the students aware of the famous, popular satirical compositions of the satirical genre of prose and the contemporary environment. Providing information on social, human, cultural and latest modern lifestyle values to introduce.
- 2. From the satirical works that erupted in the early period of Hindi prose to the latest satirical compositions, trends and depicting the development of satire, showing the social, human balance-imbalance of poetry Emphasizing positive aspects and enriching group ethics.
- 3. By exposing the various satirical perspectives used under satire, with its crafty design, showing the usefulness of satire in the field of common life, to make aware of its various concerns.

-----X-----X

PAPER III, SEMESTER – III

NAME OF PROGRAM : B. A. (C.B.C.S)

NAME OF THE COURSE : S. Y. B. A. COURSECODE : UAHIN302

TOTAL LECTURES : 45 CREDITS : 03

Aims and Objectives:

- 1. Hindi in official and other practical areas, giving information about the purposeful language to the students to develop writing skills by training them for the behaviour and use of language.
- 2. To introduce the students to the definitional terminology of Hindi and English with purpose.
- 3. To make students aware of business/official correspondence.
- 4. To develop translation skills from English/Marathi language to Hindi language of the students.
- 5. To make the students aware of the Hindi language used in mass media.
- 6. To introduce the students to the development of mass media.

PAPER III, SEMESTER – IV

NAME OF PROGRAM : B. A. (C.B.C.S)

NAME OF THE COURSE : S. Y. B. A. COURSECODE : UAHIN402

TOTAL LECTURES : 45 CREDITS : 03

Aims and Objectives:

- 1. For the practice and use of Hindi language in the practical areas while giving information about the mass communication-language to the students to train.
- 2. Introducing the students to the traditional mass media and the techniques used in the neocommunication media. Viewing social concerns of internal and external aspects.
- 3. To make students aware of news writing, editorial writing, interview, feature writing.
- 4. To introduce the students to the linguistic uses of social media, computer, television etc.

-----X-----

SEMESTER – V & VI

NAME OF PROGRAM : B.A.
NAME OF THE COURSE : T.Y.B.A

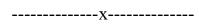
COURSECODE : UAHIN- 501, 502, 503, 504, 505, 506

UAHIN-601, 602, 603, 604, 605, 606

AIMS AND OBJECTIVES:

1) To motivate the students for the study of language, poetry and grammar by making them aware of the history, language, subject-knowledge of Hindi literature.

- 2) To make students aware of the importance of scientific study of language, the usefulness of linguistics and practical introduction of various parts of linguistics.
- 3) To introduce philosophical, social, national, human and latest modern lifestyle values to the students by providing information about the famous, prevalent compositions and surroundings of modern prose-verse genres of Hindi.
- 4) Enriching the environmental-consciousness with social, human concerns of literature by making them aware of the development of the latest prose-verse genres, trends of Hindi.
- 5) To bring the possibilities of employment to the students through Hindi by making them aware about the use, spread of Hindi in the latest media of mass communication, information technology, social media.
- 6) To show the background of various social ideological movements by making ideological dissemination for social change and making them aware of the effects on literature.



SEMESTER - I & II

NAME OF PROGRAM : M.A.
NAME OF THE COURSE : M.A.- I

COURSECODE : PAHIN- 101, 103, 105, 107

PAHIN-102, 104, 106, 108

SEMESTER – III & IV

NAME OF PROGRAM : M.A.
NAME OF THE COURSE : M.A.- II

COURSECODE : PAHIN- 109, 110, 111, 112.3, 113.3

PAHIN-114.2, 115.6, 116

AIMS AND OBJECTIVES:

1) To motivate the students for the study of language, poetry and grammar by making them aware of the history, language, translation subject-knowledge of Hindi literature.

- 2) To make the students aware of the importance of scientific study of language, translation and practical introduction of different parts of linguistics and the usefulness of linguistics.
- 3) To introduce philosophical, social, national, human and latest modern lifestyle values to the students by providing information about the famous, prevalent compositions and surroundings of modern prose-verse genres of Hindi.
- 4) To make students aware of the environment while making them aware of the environment and making them responsible for those values.
- 5) To promote sensitivity, concern and social equality towards third gender by showing gender equality among students through third gender discourse.
- 6) To make the students aware of social reality through women discourse, Dalit discourse and tribal discourse and towards the values and values of social equality.
- 7) Enriching the environmental-consciousness with social, human concerns of literature by making them aware of the development of the latest prose and verse genres of Hindi.
- 8) Bringing the possibilities of employment to the students through Hindi by making them aware about the use, spread of Hindi in the latest media of mass communication, information technology, social media.
- 9) To show the background of various social ideological movements by making ideological spread for social change and making them aware of the effects on literature.

-----X-----X

Many park

प्रोफेसर मोहसिन अली खान हिंदी विभागाध्यक्ष जे एस एम महाविद्यालय, अलीबाग-रायगड

J. S. M. COLLEGE, ALIBAG

DEPARTMENT OF Bachelors of Management Studies Report – Professional ethics, Gender, Human Values, Environment and Sustainability

As per the University directives syllabus of Bachelor of Management studies, it mainly focuses on the development of students related to their personality as well as their subject-specific knowledge. The design designed for the Syllabus is designed for this course to address many issues like Professional Ethics, Gender Equality, Human Values, Environment and Sustainability faced by Business as well as individuals at global level, to create awareness and give understanding of this issue to students.

Some of the specific subjects (Courses) designed specifically to address such issues in the overall curriculum of their program. Such as

Under FYBMS Subject-

Foundation Course-I (UBMSSI.5) addresses specifically address issues related to the environment and sustainability. This course addresses and covers an Overview of Indian Society, which gives learners an overview of the diversity of India and its multi-dimensions, distribution according to cast, gender etc. and their rights given by our constitution to them. It also provides them with knowledge about the concept of disparity arising out of stratification and inequality. It also explores disparities arising because- gender inequality with special reference to violence against women. It not only give overview about this issue it also provide and given them knowledge regarding the causes it is happen and law regarding it to protect them against it. To create awareness regarding issues as well as give them knowledge of laws which protect them if the student need to deal this situation.

Foundation Course-II (UBMSSII.5) It specifically addresses issue related to Globalization and its impact on Indian Society and its values, resources. It also addresses Environmental related concepts like Importance of Environment Studies in the current developmental context, Environment as natural capital and connection to quality of human life etc. It also gives overview on Environmental Degradation- causes and impact on human life It teaches Lerner about Sustainable

development- concept and components How we can use them to address various issues of environment through sustainable development. It also through light on Human rights. Its significance in development of Individual.

Under SYBMS Subject-

Foundation Course-III (Environmental Management) (UBMSSIII.4) address issues and provide Lerner information about Environment. Course provide detail knowledge related to various concepts of environment like Biochemical Cycles, Environment on earth, formation of earth, resources etc. It also covers Environment degradation. It teaches learner about the concept and causes of degradation. Lerner also learn about how to stop degradation process by providing them some technique and remedies. It also covers waste management techniques.

It covers sustainability and role of business towards sustainable growth.

Foundation Course-IV (Ethics and Governance) (UBMSSIV.4) It provides understanding and significance of ethics and ethical practices in businesses which are indispensable for progress of a country. Lerner learn about the applicability of ethics in functional areas like marketing, finance and human resource management. It provides Lerner understanding about the emerging need and growing importance of good governance and CSR by organizations. It also gives overview on ethical business practices, CSR and Corporate Governance practiced by various organizations.

Objective of this course are to give Lerner knowledge and understanding about Professional Ethics, Gender, Human Values, Environment and Sustainability. It also helps in their all-round development as individual, and build human values in them. Make them better citizen.

In-charge

Class - F.Y.B.Sc. Course - Zoology Paper 1 Semester 1 Course 1 (Course Code – USZO101)

First year B.Sc. course is the entry point for the students to undergraduate classes which acts like a guiding force for them to make up their mind in selecting a subject they would wish to pursue their studies in future for carving their career in a particular field.

Syllabus of the course has been designed with a view to orient the students about ecosystem, bio-diversity, wildlife conservation and management with the help of models, photographs, movies, documentaries, charts and use of ICT and then take learners to field to have realistic experiences. This enables them to get true insight about endurance of animal life in relation to human activity inducing sentiment of love, care and protection in the young mind and heart leading to understand importance of co-existence and conservation of bio-diversity. Introduction of wildlife protection act in the syllabus gives basic knowledge about the relevant acts creates awareness about these issues and also to make best use of the knowledge in their own interest as well as for the country.

Class - F.Y.B.Sc. Course - Zoology Paper 2 Semester 1 Course 2 (Course Code – USZO102)

The syllabus committee under Board of studies in Zoology of University of Mumbai has designed this course 2 syllabus with more emphasis on laboratory safety, units, measurements, instrumentation and animal biotechnology. The syllabus in unit 1 is devised with a view to make learners aware of risks involved in handling of different hazardous chemicals, sensitive (electrical/electronic) instruments infectious biological and specimens especially during practical sessions in the laboratory and to train them to avoid mishap. The syllabus ensures that learners would work safely in the laboratory and avoid occurrence of accidents (mishaps) which will boost their scholastic performance and economy in use of materials/chemicals during practical sessions. The Unit 2 is framed to acquaint learners to the modern developments and concepts of Zoology highlighting their applications aiming for the benefit of human being. Here care is taken that the learners would understand recent advances in the subject and their applications for the betterment of mankind; and that the young minds would be tuned to think out of the box. Unit 3 provides all learners a complete insight about the structure and train them with operational skills of different instruments required in Zoology. So that the students will be skilled to select and operate suitable instruments for the studies of different components of Zoology and also for higher classes and research.

Class - F.Y.B.Sc. Course - Zoology Paper 1 Semester 2 Course 3 (Course Code – USZO201)

Environmental Management' course mainly comprises study of population ecology, ecosystem, national parks, sanctuaries, ecotourism and biopiracy. This course gives a great learning experience to students apart from classroom studies, when they are taken to the field trips they get exposure and first-hand information to study different ecosystems. It gives insight about trophic levels like producers, consumers and decomposers have varied biotic potential and ecological structure in different ecological conditions. Knowledge about the flow of energy in the ecosystem is helpful in understanding the concept of thermodynamics and its application to ecosystem. It also encompasses the food chain and food web indicating how various biodiversity features including plants, animals and microbes are interdependent. It also gives insight about how various attributes of human population like natality, mortality, age structure etc. must be correlated to each other as they are changing the status of population. Growth curves reflect these properties in all favorable and unfavorable ecological conditions.

It also helps in developing the critical thinking among the students about the significance of protection of various species in wild. Every organism plays vital role in the functionality of an ecosystem so we have to protect every life from ant to antelopes. In-situ and ex-situ conservation strategies for the protection of wild life need to be taken care off. The goal is also fulfilled by nature club of college students through yearly activities with planning. The students are encouraged to watch various videos on wildlife on the TV channels. A career in wildlife photography and ecotourism is new option to our students. We cater the knowledge regarding the various patents and biopiracy at national and international level so that it will increase the awareness among the students.

Class - F.Y.B.Sc. Course - Zoology Paper 2 Semester 2 Course 4 (Course Code – USZO202)

The syllabus committee under Board of studies in Zoology of University of Mumbai has designed this course 4 syllabus with more emphasis on Nutrition, balanced diet, public health, hygiene, common human diseases and lifesaving concepts. This will enable learners to get true insight about self-care and protection leading to understand importance of human values and health. The topics of nutrition and health will make learners aware about nutritional value of food, balanced diet, essential nutrients of food at different stages of life, ill-effects of eating junk food and aerated drinks. This will also ensure that healthy dietary habits would be inculcated in the life style of learners in order to prevent risk of developing health hazards in younger generation due to faulty eating habits. By imparting knowledge about source, quantum and need for conservation of fast depleting water resource as well as essentials of maintaining proper sanitation, hygiene and optimizing use of electronic gadgets, avoiding addiction etc. will facilitate achievement of the goal of healthy young India in true sense. Students also gets information about myths, precautionary measures, immunization drives of common diseases, ill-effects of selfmedication and stress, significance of BMI etc. from the syllabus. Basics of first aid knowledge from the syllabus provide information of important life saving techniques which during medical emergencies will be of immense importance to provide first aid assistance to the diseased within the golden period i.e. of few minutes. Finally learners will be able to promptly recognize stress related problems at initial stages and would be able to adopt relevant solutions which would lead to psychologically strong mind set promoting positive attitude important for academics and would be able to acquire knowledge of cause, symptoms and precautions of infectious diseases.

Class - S.Y.B.Sc. Course - Zoology Paper 1 Semester 3 Course 5 (Course Code – USZO301)

The syllabus committee under Board of studies in Zoology of University of Mumbai has designed this course 5 syllabus with more emphasis on fundamentals of genetics, chromosome and nucleic acids. Unit 1 introduces the learner to basic terms of genetics. It tries to develop conceptual clarity of Mendelian principles of inheritance and other forms and pattern of inheritance by students for understanding heredity. Here learners also understand the concept of multiple alleles, linkage and crossing over. Unit 2 familiarizes the learners with the structure, types and classification of chromosomes so that learner will comprehend the structure of chromosomes and its types. It also introduces the concept of sex determination and its types, sex influenced and sex-limited genes. Learner will understand the mechanisms of sex determination and would be able to correlate the disorders linked to a particular sex chromosome. Unit 3 introduces the learner to the classical experiments proving DNA as the genetic material and structure of nucleic acids with the concept of central dogma of molecular biology. The concepts like gene expression and regulation, importance of nucleic acids as genetic material and regulation of gene expressions are also covered here to make a firm foundation of genetics in the growing minds of learners.

Class - S.Y.B.Sc. Course - Zoology Paper 2 Semester 3 Course 6 (Course Code – USZO302)

The course deals with fundamental metabolic processes and their regulating systems. Each system is dealt with keeping in view its structure as well as function at evolving levels from the simplest to the most complex organism. A comparison of functional anatomy would reveal the structural, functional and evolutionary relationships between different groups of organisms.

It includes topics like circulation, types of movement or forms of reproduction. With assigning group projects after teaching a chapter helps to test the knowledge of the students. A group project cannot start without understanding the facts involved. Additionally it also encourages teamwork and the integration of knowledge and application.

Class - S.Y.B.Sc. Course - Zoology Paper 3 Semester 3 Course 7 (Course Code – USZO303)

It includes marvelous examples of animal behavior in their ecological niche. Animal behavior is a fascinating topic which deals with social grouping of animals, certain inborn traits and learning aspects which are gifted to every animal for their survival. Various topics of the specified subject have been thoroughly dealt with great examples. Certain topics like display behaviour, altruism is dealt with delicacy. The students are made aware about the causes and meaning of animal behavior either by showing video clips or taking them for the field trips.

The students understand the wide scope of scientific rearing of honey bees, earthworms and cattle. They are also motivated by a great potential of Indian apiary and dairy products.

The topic parasitology helps the student community to identify and prevent an epidemic spread of dreadful diseases like amoebic dysentery, elephantiasis, bird flu and also the rabies, toxoplasmosis etc. Human beings despite of their intelligence cannot avoid parasitic infections if there is a lack of awareness of mode of transmission of pathogens. So more importantly, student's attention is focussed on causes, diagnosis and control of parasitic diseases. Parasites are established to World Wide; even World Health Organisation has not been successful in eradication of infectious conditions.

Class - S.Y.B.Sc. Course - Zoology Paper 1 Semester 4 Course 8 (Course Code – USZO401)

The syllabus committee under Board of studies in Zoology of University of Mumbai has designed this course 8 syllabus with more emphasis on origin and evolution of life, population genetics and scientific attitude, methodology, scientific writing & ethics in scientific research. The unit 1 is devised to impart scientific knowledge about how life originated on our planet so that learners will gain insights about origin of life and analyse and critically view the different theories of evolution. The unit 2 is framed in a way to develop an understanding of genetic variability within a population and learn many concepts like change in the gene pool for evolution of species, forces that cause evolutionary changes in natural populations, the mechanisms of speciation, microevolution, macroevolution and megaevolution etc. Unit 3 is specially designed to inculcate scientific temperament in the learner. By learning this unit the learner would develop qualities such as critical thinking and analysis. The learner will imbibe the skills of scientific communication and he/she will understand the ethical aspects of research. Overall the syllabus takes care that learner would develop wholesome approach towards life, its variability, research or scientific ethics and human values.

Class - S.Y.B.Sc. Course - Zoology Paper 2 Semester 4 Course 9 (Course Code – USZO402)

This course attempts to simplify the concepts of cell biology, mainly with respect to its ultrastructure and function. The learner can acquire the knowledge regarding the origin and discovery of cells along with its endomembrane system in the course of evolution. It also deals with concepts of 'cell to cell' interaction and communication for various physiological purposes like signal transduction and cell differentiation in the course of development

Various transport mechanisms associated with the cells have been explained with the help of simple diagrams and examples. Besides, the various biomolecules found in the cell along with its importance and role in cell function is explained in clear, lucid terms. Significance of these biomolecules is known to play a major role in clinical medicine.

A learner's space provided at the end of each chapter stimulates the brain cells of the students and makes the subject an interesting and easy concept to understand.

Class - S.Y.B.Sc. Course - Zoology Paper 3 Semester 4 Course 10 (Course Code – USZO403)

It provides students' knowledge of the basic aspects of human reproduction, embryological development and environmental challenges threatening mankind. It is quite remarkable, that a single fertilized egg cell undergoes a series of rapid and exquisite developmental changes to transform into a complex multicellular organism.

The topic on human reproduction has been introduced at the undergraduate level for the first time with the objective to make the students aware of the basics of human reproductive physiology and provide an overview of the various methods of birth control, infertility, and its management. Knowledge about the latest modalities of treatment, their efficacy, risks and drawbacks will make the younger generation better equipped to deal with problems of infertility. Moreover, the knowledge gained can help build the foundation for pursuing research and forge a career in this field.

Since the topics of conception, infertility and assisted reproductive technologies may be sensitive and uncomfortable for some learners they are taught in a scientific, mature and sensitive manner. Students are encouraged to create concept maps on contraception and infertility. They are also be encouraged to explore the work of Nobel Prize winning scientists who are pioneers of IVF, ICSI and other related ARTs along with their bioethical implications. Discussion of case studies dealing with applications and medicolegal ethics of different ARTS will also make teaching of these topics more effective.

Pollution is a manmade phenomenon which has increased tremendously with the advent of the urbanization and industrialization and as a consequence of population explosion. All natural resources including land, water and air,

have been overexploited in an unprecedented manner from centuries. This has resulted in generation of huge amounts of wastes such as radioactive waste, solid waste and heavy metals, PAHs, plastics, and greenhouse effect and is of grave concern as they impose tremendous pressure on the environment. Global warming is another major global concern which has put forth the new concepts of carbon foot print and carbon credits. We focus on the various causes, mechanism and repercussions of the point and non-point sources of pollution and suggest different remedial and corrective measures. For creating an awareness of different environmental issues we use suitable global or local examples and encourage students to participate in environment-related projects.

The section on Learners' space has been included at the end of each chapter not only to generate interest among the students but also to stimulate an ability in them to think beyond the curriculum.

B. 3

Dr. Sunil Anand Assistant Professor in Zoology

COLLAND COLORS OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

Department of Zoology
Head of Zoology Dept.
J. S. M. College, Alibas
Dist. Raigad

Mr. Advait GhatpandeHead and AssistantProfessor in Zoology

J.S.M. College Alibag

Department of Geography

FYBA:- Environmental Geography

Sustainable development and geography

Sustainable development can be defined as development that meets the needs of the present without compromising the ability of future generations to meet their own needs. Sustainable development is defined as an approach to developing or growing by using resources in a way that allows for them to renew or continue to exist for others. Using recycled materials or renewable resources when building is an example of sustainable development. Sustainable development is development that meets the needs of the present, without compromising the ability of future generations to meet their own needs

TYBA Population Geography

Gender and Geography:-

This is major issues in population geography because some population issues are as per as concerns gender issues is main concern in india. Across India gender inequality results in unequal opportunities, and while it impacts on the lives of both genders, statistically it is girls that are the most disadvantaged. Far too many girls, especially those from the poorest families, still face gender discrimination in education, child marriage and pregnancy, sexual violence and unrecognized domestic work. These are some types of gender inequality. Although the Indian constitution has granted both men and women equal rights, gender disparities continue to live and rule. Indian society has always been the hub of this discrimination, making women its victim. In the land where women are Goddess's, the same Nation leaves a blot of atrocities and inequality.

FYBcom Environmental studies

Environment and Geography:-

This is one of the branch of geography. In Environmental studies there are so many concern and issues to related to in the faculty of geography. Pollution, acid rainfall, ozone depletion, global warming, deforestation, green house effect, land degradation, desertification, ect.

J.S.M. COLLEGE ALIBAG RAIGAD 402201 DEPARTMENT OF BOTANY COURSE F.Y.B.Sc.

In Semester I within Paper II Unit 2 Ecology deals with various aspects of ecology like what is meant by ecosystem and what are the components of ecosystem, were one learn how living components of earth and abiotic components are connected with each other. Students also learn about various components of different ecosystems whereas Unit 3 deals with Grandmas Pouch were we teach students about medicinal plants like Tulsi, Aloe vera, Ginger, Haldi and Chandan and their uses in day to day life.

HOD Botany

J.S.M. COLLEGE ALIBAG RAIGAD 402201 DEPARTMENT OF BOTANY COURSE S.Y.B.Sc.

For Semester IV, Paper II Unit 3 deals with Ecology and Environmental botany where students learn about different biogeochemical cycles occurring in the environment and how these cycles are connected to human beings and other organisms. We also learn about soil ecology where we learn about different microorganism in the soil.

HOD Botany

J.S.M. COLLEGE ALIBAG RAIGAD 402201 DEPARTMENT OF BOTANY

COURSE T.Y.B.Sc.

Semester V Paper 1 Unit I deals with study of types of microorganisms were we study various

microorganisms and diseases caused by these microorganisms. How these microorganisms are

used in different industries as a source of enzymes, food etc. Unit IV deals with study of various

bacterial and fungal plant disease where one learn how these disease are caused what are the

symptoms and how to treat these diseases. Unit IV deals with ethnobotany and mushroom

industry, where various traditional medicines and their uses are learned by the students.

Mushroom cultivation is also taught to students so that one can see their future as an

entrepreneur.

Semester VI Paper 2 Unit IV teaches students about phytogeographical regions of India

what type of vegetation occurs in various parts of India. Students also learn about what

biodiversity is, what the causes of biodiversity loss are, how to conserve the biodiversity and

what are the different methods of conserving biodiversity.

Semester VI Paper 4, Unit III deals with economic botany where students learn about

various essential oils, fatty oils and vegetable oils and their uses. Unit IV deals post-harvest

technology were students learn about storage of plant products -preservation of fruits and

vegetables and helps students entering into the food industries.

In Horticulture and Gardening applied component, students acquire knowledge about basic

horticultural science terminology. Students will gain knowledge on post harvesting techniques which

will explore the possibility of entrepreneurship in this field.

HOD Botany